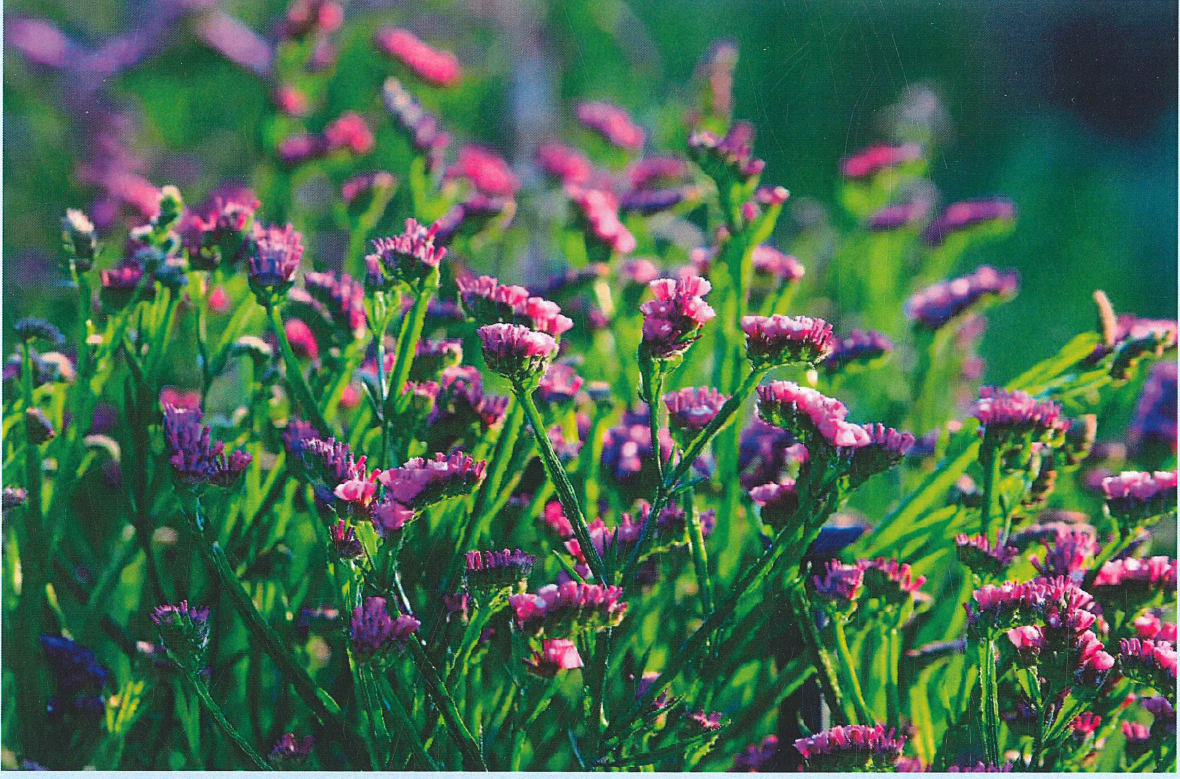


# स्टेटिस (लाईमोनियम सिनुलेटम) की व्यवसायिक खेती की तकनीक



स्टेटिस एक लोकप्रिय फूल है जिसका उपयोग बगीचे की सजावट में और कर्तित फूल के रूप में किया जाता है। इनके सूखे फूलों का उपयोग इनडोर सजावट के लिए भी किया जाता है। स्टेटिस बॉर्डर, रॉक गार्डन, पॉट प्लांट्स के लिए भी उपयुक्त है। इसके फूल सफेद, लैवेंडर, नीले, गुलाबी, नारंगी, पीले आदि कई रंगों में मिल जाते हैं। पुष्पों को छाया वाली जगह पर सुखा कर आसानी से लंबे समय तक उनका रंग सुरक्षित रखा जा सकता है। लंबे समय तक चलने वाले फूलों की व्यवस्था के लिए इस प्रकार के पुष्पों का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, वे ताजे या सूखे कटे हुए फूलों के रूप में भी उपयुक्त होते हैं।

**मृदा:** किसी भी प्रकार की मिट्टी स्टेटिस के लिए उपयुक्त है लेकिन उपजाऊ और अच्छी तरह से सूखी रेतीली बालुई मिट्टी इसकी उपज के लिए सबसे उपयोगी है। इसे सूखी और पथरीली मिट्टी में भी आसानी से उगाया जा सकता है।



सी-एस-आई-आर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान  
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology  
पालमपुर - 176 061 (हि.प्र.) / Palampur -176 061 (H.P.)





**जलवायु:** स्टेटिस धूप वाले स्थानों में पाया जाता है और तापमान की एक विस्तृत श्रृंखला के तहत पनपता है, लेकिन तेज और बेहतर फूल के लिए ठंडी जलवायु अधिक उपयोगी होती है, जोकि हमे मध्य पर्वतीय क्षेत्रों जैसे हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में मिलती है। इसे नम सर्दियों से सुरक्षा की आवश्यकता होती है। पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए 24/16 डिग्री सेल्सियस (दिन/रात) का तापमान उपयुक्त होता है।

### **प्रवर्धन:**

**बीज:** यह प्रवर्धन का सबसे प्रभावी तरीका है। स्टेटिस के बीज आकार में छोटे होते हैं (लगभग 10,000 बीज प्रति 28 ग्राम)। इसके अंकुरण के लिए 13 से 18 डिग्री सेल्सियस तापमान चाहिए होता है जिसमें तकरीबन 10 से 15 दिन लगते हैं। नर्सरी को कम मात्रा में नाइट्रोजन उर्वरक से उपचारित किया जाता है। जब पौधे 4 से 5 सेमी की ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं तो इन्हें मुख्य क्यारी में रोपा जाता है। बीजाई से रोपाई का अन्तर 3 से 4 सप्ताह का रहता है।

**क्लम्प का विभाजन:** स्टेटिस के बारहमासी पौधे वसंत ऋतु में क्लम्प विभाजन के माध्यम से भी प्रवर्धित किए जा सकते हैं। जल्दी स्थापन के लिए प्रत्येक भाग में कुछ जड़ों का होना आवश्यक होता है।

### **रोपण का समय:**

समतल क्षेत्र: अगस्त – सितंबर

पहाड़ी क्षेत्र: मार्च- अप्रैल

**रोपण की दूरी:** कर्तित पुष्पों के उत्पादन के लिए, पौधों को 30 सेमी की दूरी पर रोपित किया जाता है।

**पोषण:** पोषक तत्वों की मांग को पूरा करने के लिए स्टेटिस को संतुलित उर्वरकों की आवश्यकता होती है। रोपाई के 10 से 15 दिन पहले अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद को 5 किग्रा/मीटर की दर से खेत में डालना चाहिए। उचित वृद्धि और पुष्पन के लिए प्रति 100 वर्ग मीटर, 1 कि.ग्रा. NPK का प्रयोग पर्याप्त होता है। नाइट्रोजन का आधा भाग, पूर्ण फॉस्फोरस एवं पॉटेशियम को रोपाई से 3-4 दिन पहले मिट्टी में मिला देना चाहिए और शेष नाइट्रोजन का आधा हिस्सा एक महीने बाद डालना चाहिए।

**खरपतवार नियंत्रण:** स्वस्थ फसल के लिए स्टेटिस में 2 से 3 बार निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। पेंडीमेथालिन (1320 ग्राम / हेक्टेयर) + क्लोरोफिऊरॉन (4500 ग्राम / हेक्टेयर) / ऑक्साडाईज़ोन (1000 ग्राम / हेक्टेयर), हर्बिसाइड भी प्रभावी हैं।

**सिंचाई:** प्रारंभिक अवस्था में स्टेटिस का वनस्पतिक विकास बहुत तेज होता है। वनस्पतिक विकास को पूरा करने और प्रवर्धन योग्य अवस्था में प्रवेश करने में लगभग 60 से 65 दिन लगते हैं। वृद्धि के सभी चरणों में मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में नमी आवश्यक है। विकास के किसी भी स्तर पर नमी की कमी से सामान्य वृद्धि और फूल आने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।





### पॉलीहाउस में तैयार स्टेटिस की फसल

**सिंचाई:** प्रारंभिक अवस्था में स्टेटिस का वनस्पतिक विकास बहुत तेज होता है। वनस्पतिक विकास को पूरा करने और प्रवर्धन योग्य अवस्था में प्रवेश करने में लगभग 60 से 65 दिन लगते हैं। वृद्धि के सभी चरणों में मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में नमी आवश्यक है। विकास के किसी भी स्तर पर नमी की कमी से सामान्य वृद्धि और फूल आने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

#### कीट एवं रोग

**कट वर्म:** यह पौधों को ज़मीनी स्तर पर प्रभावित करता है। पौधों पर 0.05% एंडोसल्फान स्प्रे प्रभावी होता है।

**एफीड, माइट, मिली बग एवं थ्रिप:** यह कीट पत्तियों, कोमल टहनियों और फूलों की कलियों से रस चूस लेते हैं, जिस से पत्ते और फूल विकृत हो जाते हैं। डाइमेथोएट @ 0.03 % कीट नियंत्रण के लिए प्रभावी है।

**डैमपिंग ऑफ (*Botrytis cinerea*):** यह बीमारी नर्सरी में पौधों पर आती है जिससे पौधों की अचानक मृत्यु हो जाती है। 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट के लिए गर्म पानी का उपचार या बाविस्टिन (0.1%) के साथ छिड़काव रोग की जाँच में प्रभावी है।

**एंथ्राक्नोज (*Colletotrichum gleosporioides*):** पत्तियों, तनों और फूलों पर नेक्रोटिक धब्बे आ जाते हैं। बैविस्टिन @ 0.1% और डाइथेन एम -45 @ 0.2% स्प्रे, रोग को नियंत्रित करता है।

**लीफ स्पॉट (*Alternaria sp., Fusicladium staticis, Phyllosticta sp.*):** क्लोरोथालोनिल @ 75% स्प्रे इस रोग में सबसे प्रभावी नियंत्रण देता है।

**एस्टर येलो (*Chlorogenus callistephi var. californicus*):** संक्रमित पौधों में बौनापन, पत्तियों पर मोज़ेक और फूलों की अनुपस्थिति दिखाई देती है। बचाव के लिए क्यारियों को साफ रखना चाहिए, रोगग्रस्त पौधों को हटाना और रोगवाहकों को नियंत्रण में रखना उपयोगी है।





### कटाई के लिए तैयार फसल

**पुष्प डंडियों की कटाई:** स्टेटिस के पुष्पों को पूरी तरह से खिलने पर ही कर्तित पुष्पों के रूप में काटा जाता है। तने के बेस के जितना निकट हो सके, कम कोण वाला कट दिया जाता है। 10 डंडियों का एक गुच्छा बनाने के बाद उन्हें नीचे की ओर लटका दिया जाता है।

**उपज:** कर्तित पुष्पों की पैदावार, खेती और रोपण के समय के साथ बदलती रहती है। अगस्त रोपण से लगभग 7-8 कर्तित फूल/ पौधे प्राप्त किए जा सकते हैं।

**पुष्प डंडियों का रख रखाव:** कर्तित फूलों को 2 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 2-3 सप्ताह तक संग्रहीत किया जा सकता है। ताजा अवस्था में फूलों का जीवन 1-2 सप्ताह है।

**पुष्पों को सुखाने की प्रक्रिया:** स्टेटिस के सूखे फूल एक वर्ष या उससे अधिक समय तक आकर्षक रहते हैं। सूखे फूलों का आकार बनाये रखने के लिए, फूलों को आधा खुलने पर काटा जाता है। कटे हुए फूलों को अच्छी हवादार वाली जगह में नीचे की ओर झुका दिया जाता है या 1 से 2 सप्ताह के लिए कंटेनरों में खड़ा कर दिया जाता है। सूखे फूल वातावरण से नमी अवशोषित करने की क्षमता रखते हैं और नाजुक होते हैं अतः इन्हें सावधानीपूर्वक संभालने की आवश्यकता होती है।

#### विकसितकर्ता:

डॉ. भव्य भार्गव  
श्री विकास सोनी

#### संपर्क करें

डॉ. संजय कुमार, निदेशक  
सी.एस.आई.आर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान  
पालमपुर-176061, हिमाचल प्रदेश, भारत  
टेलीफोन: +91 1894 230411  
फैक्स: +91 1894 230433  
ईमेल: director@ihbt.res.in  
वैबसाइट: <https://www.ihbt.res.in>

जुलाई, 2022